ह्यूम के अनुसार आत्मा का वर्णन कीजिए।

Describe soul (Atma) according to Hume.

प्र. 4. काण्ट के देश काल सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट करें।

Describe Kant's concept of space and time.

अथवा /OR

काण्ट की आत्मा सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट करें।

Describe the concept of soul by kant.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write a short note on any four of the following -

(i) लाओत्से की आचार मीमांसा / Ethics of La-otse
(ii) सुकरात का राजदर्शन / Political philosophy of Socrates
(iii) पर्याय (स्पिनोजा) / Modes of Spinoza
(iv) सन्देहवाद / Confucious
(v) काण्ट का समीक्षावाद / Analyse of kant

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र – जैन आचार

समय : 3.00 घण्टे | पूर्णांक : 70

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. पंचाचार से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

What do you mean by Panchachar? Explain it.

अथवा /OR

मोक्ष के स्वरूप एवं प्रक्रिया पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the nature and process of Liberation.

प्र. 2. आवश्यक क्या है? इसके भेदों का वर्णन कीजिए।

What is essential? Discuss its divisions.

अथवा /OR

गुणस्थान की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

Explain the process of the stage of spiritual development.

प्र. 3. श्रावक की प्रतिमा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Laymen's renunciation stages.

अथवा /OR

संथारा से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए।

What do you mean by fasting unto death.

प्र. 4. ध्यान से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व को लिखिए।

What do you mean by Meditation? Write its importance.

अथवा /OR

अणुव्रत आचार संहिता का वर्णन कीजिए।

Describe the Anuvrata code of conduct.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following :

(i) लेश्या / Leshya
(ii) समिति / Samity
(iii) अहिंसा / Nonviolence
(iv) अपरिग्रह / Nonpossession
(v) अणुव्रत / Small vow
(vi) प्रेक्षाध्यान / Prekshadhyan

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र – पाश्चात्य दर्शन एवं एशियाई दर्शन

समय : 3.00 घण्टे | पूर्णांक : 70

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तु के तत्त्वमीमांसीय चिन्तन की व्याख्या कीजिए।

Explain the metaphysical thoughts of Aristotle.

अथवा /OR

प्लेटो के समाज दर्शन का वर्णन कीजिए।

Describe the social philosophy of Plato.

प्र. 2. स्पिनोजा के अनुसार मन और शरीर का सम्बंध कैसे होता है? स्पष्ट करें।

Describe in detail how mind and body are related to each other according to Sponoza.

अथवा /OR

लाईबनित्ज की द्रव्य विचार की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Explain the concept of substance of Libnetze.

प्र. 3. जॉन लॉक के ज्ञान सिद्धान्त पर प्रकाश डालें।

Throw light on Locke's conept of knowledge.

अथवा /OR

प्र. 3. मतिज्ञान के स्वरूप का निरूपण करें। इसके भेदों या विविध सोपानों पर प्रकाश डालें। Write the nature of Mati Jnana (sensuous cognition) Throw light on its sub-divisions or stages of its development.

अथवा /OR

प्रत्यक्ष व परोक्ष प्रमाण में क्या अन्तर है? मुख्य प्रत्यक्ष के स्वरूप को स्पष्ट करें।

What is the difference between Pratyaksha (Direct) and Paroksha (indirect) valid knowledge? Explain the nature of mukhya (Transcendental) knowledge.

प्र. 4. अनुमान प्रमाण क्या है? इसमें ''तर्क'' प्रमाण का क्या उपयोग है? अनुमान के अवयव क्या है? समझाएं।

What is Anuman Pramana (Inference)? What is use of Tarka Pramana in it? What are the Limbs of Anumana (Inference)? Explain.

अथवा /OR

अभाव के प्रकारों को सोदाहरण समझाएं।

Illustrate with examples the types of Abhava (Non-existence).

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write a short notes on any four of the following -

(i) हेतु / Hetu

(ii) अर्थापत्ति / Arthapatti

(iii) उपमान / Upamana

(iv) शब्दार्थ सम्बन्ध / Relation of word and meaning

(v) सत्यवचन / True word

(vi) कारण–कार्य / Cause and effect

(vii) प्रामाण्य / Validity of Pramana

◆◆◆

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन के मौलिक तत्त्व

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के आधार पर सृष्टिवाद पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the theory of creation according to Jain Philosophy.

अथवा /OR

जैन धर्म ईश्वरवादी है या अनीश्वरवादी? तर्कपूर्वक सिद्ध करें।

Explain logically whether Jainism is theist or atheist.

प्र. 2. त्रिरत्न के बारे में विस्तार से लिखिए।/Write in detail about the three Jewels.

अथवा /OR

परिणामी नित्यत्ववाद को समझाते हुए उसकी प्रासंगिकता लिखें।

Write the philosophy of permanence cum change and explain its relevance.

प्र. 3. कर्म के स्वरूप को बताते हुए कर्म के भेदों को स्पष्ट करें।

Describe the nature of 'Karma' and explain the Division of Karma.

अथवा /OR

कर्म की अवस्थाओं को विवेचित कीजिए और उनसे मुक्ति कैसे संभव है?

Describe the stages of karma and how can one become free the bondage.

प्र. 4. अनेकान्तवाद से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

What do you mean by Anekantvad? Write in detail.

अथवा /OR

नयवाद को स्पष्ट कीजिए।

Explain the theory of Nayavada.

प्र. 5. पंच समवाय को विवेचित कीजिए एवं सिद्ध करें कैसे पांचों की अनिवार्यता प्रत्येक कार्य में सहायक है।

Describe the five components and explain how the five components are essential in the completion of any work.

अथवा /OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें –

Write short notes on any two of the following -

(i) कारण कार्य सिद्धान्त / Cause effect theory

(ii) आत्मवाद / Spiritualism

(iii) लोक शाश्वत और अशाश्वत दोनों कैसे
How uiverse is both eternal and non eternal

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र – जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अभावैकान्तवाद का निराकरण क्यों किया जाता है? इस विषय में आचार्य समन्तभ्रद के विचारों को स्पष्ट करें।/Why अभावैकान्तवाद is discarded? Explain views of Acharya Samant Bhadra in this regard.

अथवा /OR

जैन परम्परा में 'आप्त' कौन है? अन्य दार्शनिकों में क्या कोई 'आप्त' है? यदि नहीं तो क्यों?/Who is 'Apta' (most reliable personality) in Jain tradition? Is there any Apta among other Philosophers? If not, why?

प्र. 2. प्रमाण व प्रमाणाभास (अप्रमाण) में क्या अन्तर है? विस्तार से समझाएं।

Differentiate elborately between the valid knowledge (Pramana) and false knowledge (Pramanabhas).

अथवा /OR

ज्ञान से अतिरिक्त कोई प्रमाण नहीं हो सकता – इसे सिद्ध करें।

Establish that Pramana (valid knowledge) can not be anything else than knowledge.

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र – अहिंसा और शान्ति – भारतीयेतर दृष्टि

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. यहूदी धर्म की विशेषताओं का वर्णन करें।
Describe the qualities of Judaism.

अथवा /OR

यहूदी धर्म में अहिंसा और शांति पर प्रकाश डालें।
Throw light on Non-violence and peace in Judaism.

प्र. 2. ईसाई धर्म की सामाजिक भूमिका की विवेचना करें।
Discuss the social role of Christianity.

अथवा /OR

ईसाई धर्म में वर्णित मानव विचारों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
Discribe at length the human thoughts of Christian religion.

प्र. 3. इस्लाम में न्याय दिवस की व्याख्या कीजिए।
Describe the Justice day in Islam.

अथवा /OR

सूफीवाद में ईश्वर–प्रेम की अवधारणा को स्पष्ट करें।
Explain the love of god according to Sufism.

प्र. 4. लेव टालस्टाय के दार्शनिक विचारों का वर्णन कीजिए।
Describe the philosophy of Leo Tolstoy.

अथवा /OR

संत एक्वीनस के सद्गुण संबंधी चिंतन का वर्णन कीजिए।
Describe moral philosophy of Saint Aquinus.

प्र. 5. हेनरी डेविड थोरो की मूलभूत अवधारणा का वर्णन कीजिए।
Explain the fundamental principles of Henry David Thoreau.

अथवा /OR

निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें –
Write short notes on any two of the following -

(i) थोरो का प्रकृति प्रेम/Nature's Love of Thoreau.

(ii) धर्म संबंधी मार्क्स के विचार/Marx's views about Religion.

(iii) सर्वोदय/Sarvoday

(iv) डॉ. किंग का अहिंसा के क्षेत्र में योगदान
Dr. King's contribution in the field of Non-violence & peace

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र – अहिंसा एवं अणुव्रत

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ‘अणुव्रत प्रकृति से संवेगात्मक है’ स्पष्ट करें।
'Anuvratas are constructive in nature' Explain.

अथवा /OR

स्यादवाद पर एक विस्तृत लेख लिखें।
Write a detailed note on Syadavada.

प्र. 2. अणुव्रत आन्दोलन के औचित्य पर प्रकाश डालें।
Elucidate the justification of Anuvrat Movement.

अथवा /OR

अणुव्रत आन्दोलन की मुख्य विशेषताओं को लिखें।
Write the main characteristics of Anuvrat Movement.

प्र. 3. नैतिक विकास क्यों आवश्यक है?
Why is moral development essential?

अथवा /OR

अणुव्रत आन्दोलन के संवेगात्मक कार्यक्रमों को लिखें।
Write the constructive programmes of Anuvrat Movement.

प्र. 4. अहिंसक समाज के मुख्य घटकों का वर्णन करें।
Describe the main features of Non-violent Sociery.

अथवा /OR

राष्ट्रीय एकता के लिये अणुव्रत आन्दोलन की भूमिका के विषय में लिखिए।
Write about the role of Anuvrat Movement for national integration.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on any two of the following.
(अ) आध्यात्मिक समतावाद / Spiritual equality
(ब) दृष्टिकोण परिवर्तन / Change in attitude
(स) अहिंसक क्रांति / Nonviolent Revolution

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र – रीतिकालीन काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 3x7=21

(क) अति सूधो सनेह को मारग है,
जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहां साँच चलै तजि आपुनपौ,
झिझके कपटी जे निसाँक नहीं।
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ,
इत एक ते दूसरों आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटि पढै हो लला,
मनु लेहुँ पै देहु छटांक नहीं।

(ख) मेरी भव बाधा हरो, राधा नागरि सोई।
जा तन की झाँई परे, श्याम हरित दुति होई।।

(ग) ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी
ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं।
कन्द मूल भोग करैं, कन्द मूल भोग करैं,
तीन बेर खाती ते वै तीनि बेर खाती हैं।।

(घ) नीकी पै फीकी लगै, बिनु अवसर की बात।
जैसे बरनत युद्ध में रस सिंगार न सुहात।।

प्र. 2. 'धनानंद प्रेम की पीर के कवि थे।' इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

'आचार्य कवि केशव हृदयहीन कवि थे' इस कथन की पुष्टि कीजिए। 10

प्र. 3. 'बिहारी ने सतसई में गागर में सागर भरा है।' प्रस्तुत कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीतिमुक्त कवियों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

प्र. 4. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए समीक्षा कीजिए।

अथवा

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार प्रस्तुत कीजिए। 09

प्र. 5. रीतिकाल की सीमा का निर्धारण करते हुए रीतिकाल के उपयुक्त नामकरण पर विचार कीजिए।

अथवा

रीतिकालीन काव्यगत प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए। 10

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए – 10

(क) रीतिबद्ध कवियों की दो विशेषताएं

(ख) संचारी भाव

(ग) आचार्य भारत द्वारा अलंकार निरूपण

(घ) अभिसारिका नायिका

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र – नाट्य एवं निबन्ध साहित्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 3x8= 24

(क) ''लेकिन अगर मजहब की खिदमत उन्हीं लोगों तक रहती तो कोई भी मजहब आगे नहीं बढ़ पाता। मजहब के नाम पर सल्तनतें बनती हैं और सल्तनतों के साये में मजहब पनपते हैं, हाकिब की तलवार दीन की खिदमत करती है। क्या समझे? यह बड़ी फलसफे की बातें हैं।''

अथवा

''एक वक्त में एक का समर्थन करो, दूसरे का विरोध, इस प्रकार दोनों से तुम्हें लाभ पहुंच सकता है। (कबीर हंस देता है)। हवा का रूख देखते रहना चाहिए। आंधी तूफान में वही पेड़ बचे रहते हैं जो आंधी के आगे झुक जाते हैं, जो पेड़ नहीं झुकते हैं, वे जड़ से उखड़ जाते हैं।''

(ख) ''पागलपन कहीं कम होता है, पहाड़ बढ़कर कभी छोटे हुए हैं, नदियां आगे बढ़कर कभी लौटी हैं, फूल खिलने के बाद कभी कली बने हैं? सब आगे बढ़ते हैं। नहीं बढ़ती हो तो केवल तुम। सदा एक–सी। तुम्हारा पागलपन भी सदा एक-सा।''

अथवा

''अरे मैंने तो जीवन भर, मातृभूमि के सम्मान की रक्षा के लिए खड्गधारी दिव्य आत्माओं को इतिहास के पृष्ठों पर सिर कटाते हुए देखा है। आज इन चर्म–चक्षुओं से रक्तस्नात उन दिव्य मूर्तियों को देखूंगा जो देश की स्वतंत्रता के लिए जीवन पुष्प अर्पित करने को मचल रहे हैं।''

(ग) ''कबीर ने जिस प्रकार एक निराकार ईश्वर के लिए भारतीय वेदान्त का पल्ला पकड़ा उसी प्रकार उस निराकार ईश्वर की भक्ति के लिए सूफियों का प्रेम तत्त्व लिया और अपना 'निर्गुण–पंथ' बड़ी धूमधाम से निकाला। मनुष्य की सामान्य भावना को आगे करके निम्न श्रेणी की जनता में उन्होंने आत्मगौरव का भाव जगाया और भक्ति के ऊँचे सोपान की ओर बढ़ने के लिए बढ़ावा दिया।''

अथवा

''कवि–चित्त जब बाह्य परिस्थितियों के साथ समझौता नहीं कर पाता, जब छन्दों की भाषा अत्यंत प्रभावशाली होकर प्रकट होती है। आन्तरिक प्रभावशाली होकर प्रकट होती है। आन्तरिक सौन्दर्यानुभूति और बाहरी असुन्दर–सी लगने वाली परिस्थिति की टकराहट से जो विक्षोभ पैदा होता है, उसमें मूर्त का रूप और आवेग के पंख लगा देता है।''

प्र. 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3x8= 24

(i) 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक के माध्यम से लेखक ने सामाजिक जड़ता और सत्ता के अहं को तोड़ने का प्रयास किया है।'' उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर विचार प्रकट करते हुए उसकी प्रासंगिकता बताइए।

(ii) 'वीर बल्लू' एकांकी की मूल संवेदना और उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'हरित गन्धा' एकांकी के कथानक की विशेषताएं बतलाते हुए इसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'समाज–दर्पण' एकांकी के आधार पर मीना का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'राम–रहमान' एकांकी के आधार पर रामचरण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र. 3. हिन्दी नाटक के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतेन्दु युगीन एकांकियों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 12

प्र. 4. आधुनिक आचार्यों की दृष्टि में नाटक के तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

अथवा

द्विवेदी युग में लिखित निबन्धों की प्रमुख प्रवृत्तियों और विशेषताओं का उल्लेख कीजिए? 10

♦♦♦

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION 2015
(CORRESPONDENCE COURSE)
SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - I : POETRY AND DRAMA

Time : 3.00 Hrs. **M.M. 70**

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Explain any four with reference to the context: 5 x 4 = 20

(a) I would press my bones into the bony
Shoulders of these scarred homes as
I pass above their sardined tops, concealed
Reach out and grasp and clean the greasy tin

(b) You are an unsuccessful man papa
couldn't wangle a cosy place in the world
you've always lived a life of limited dreams

(c) You rolled yourself into a ball
the afternoon father died, till time
unfurled you like a peal of bells

(d) To follow knowledge like a sinking star,
Beyond the utmost bound of human thought

(e) Ur, white the wings aspire, are heart and eye
Both with thy rest upon the dewy ground?

(f) And hill-hid tides throb, throe on throe,
And meadow rivulets overflow,
And drops on gate bars hang in a row,
And rooks in families home ward go,
And so do I.

Q. 2. How can you say thatMathew Arnold was a pessimistic poet? Write your answer on the basis of the poem 'Dover Beach'. 15

OR

Attempt a paraphrase of the poem 'To a Skylark'.

Q. 3. Describe the poet's attitude to the servants, with relevant lines from the poem 'Servants'. 15

OR

Write a critical appreciation of R. Parthasarathy's is poem 'Lines for a photograph'.

Q. 4. Write a brief summary of 'Tiger's Eye'. 10

OR

Write a note on 'Tiger's Eye' follows the adventures of David Blake, A young British Journalist.'

Q. 5. Supply the most appropriate prepositions in the following blanks:- 5

(i) David first met Dr. Dass .... the A.I.C.

(ii) Vayu left a paper .... the photocopier.

(iii) While David was talking to vayu, Patil came .... the shop.

(iv) Dr. Dass noticed the letters T.E. .... one of his papers.

(v) Some body threw a stone .... the window of Vijaya's office.

♦♦♦

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION 2015

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hrs. **M.M. 70**

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Attempt any four of the following questions in not more than 100 words each. 4x3=12

(i) In 'An Astrologer's Day' why did the astrologer run from his village?

(ii) How does Philip react towards Miss Smith?

(iii) Why did Gangu consider himself superior to his master?

(iv) What had the mother done with her bangles in the story 'The Boss Came to Dinner'?

Q. 2. Answer any two of the following questions in not more than 250 words. 2 x 4 = 8

(i) How did Mr. Simpson eventually post the letter?

(ii) What made Mrs. Bhandari laugh like a carefree girl?

(iii) Describe the role of fate and chance in the story 'An Astrologer's Day'.

Q. 3. What is the significance of Mano Majra's train station? What might it symbolize. 15

OR

Attempt the charactesketches of -

(i) Jugga (ii) Iqbal

Q. 4. What is the role of Women in Pride and Prejudice? 15

OR

Discuss the comic effects and serious themes in Pride and Prejudice by Jane Austen?

Q. 5. Throw light on the chief strength and weakness of India according to J.L. Nehru. 10

OR

What is the civilization of today? Describe Joad's views about civilization.

Q. 6. Explain any two of the given passages with reference to context. 2 x 5 = 10

(i) We are to take care of ouselves - that much we can do - and give up attending to others, for a time. Let us perfect the means; the end will take care of itself. For the world can be good and pure. It is an effect, and we are the means. Therefore, let us purify ourselves. Let us make ourselves perfect.

(ii) Today, with certain exceptions, there is little political oppression; men are equal before the law and in many countries have a voice in deciding how and by whom they shall be governed. But the sharing-out of money-which means the sharing-out of food and clothing and house and books and so on- is still very unfair.

(iii) Destiny is a mystery to us, for we do not understand when the buffaloes are all slaughtered, the wild horses are tamed, the secret corners of the forest heavy with scent of many men, and the view of the ripe hills blotted by talking wires.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र – प्राकृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नांकित में से किन्हीं पांच सूत्रों को सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 15

जश्शस्–ङसि–त्तो–द्वामि दीर्घः, ङसः स्सः,

ङसि–ङसोः पुंक्लीबे वा, त्रपो हि–द्व–त्थाः,

जाग्रेर्जग्गः, गमिष्यमासां छः न्त माणौ।

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों की सिद्धि कीजिए– 15

हरइ, दोण्हं, देवाहिन्तो, हे माले, देवाणं, एकल्लो, महुख्व

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के रूप लिखें। 8

देव, मुणि, माला, घेणू

प्र. 4. पढ अथवा नम धातु के वर्तमानकाल एवं भूतकाल में रूप लिखिए। 6

प्र. 5. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 8

(1) भूतकाल बोधक प्रत्यय लिखिए।

(2) ''महमहो गंधे'' सूत्र का आशय क्या है?

(3) ''फक्कस्थक्कः'' सूत्र क्या कहता है?

(4) स्वार्थ में लगने वाले प्रत्ययों के कोई दो उदाहरण लिखिए।

(5) ऋ के आदेश से बने किन्हीं दो शब्दों को लिखिए।

(6) ''टो णा'' तथा ''टा णा'' सूत्र में क्या अन्तर है?

(7) द्वितीया एवं तृतीया के स्थान पर कौन–कौन सी विभक्ति कहीं–कहीं होती है?

प्र. 6. वर्तमानकाल में किन्हीं चार वाक्यों की हिन्दी में रचना करके उनका भूतकाल एवं भविष्यत्काल में प्राकृत भाषा में अनुवाद कीजिए। 8

प्र. 7. प्राकृत भाषा में किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में कहानी लिखिए– 10

(1) परोवगारी जीवणं।

(2) महावीरस्स साहणा।

(3) विणओ धम्मस्स मूलं।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र – अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत कथा साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 15

(अ) एगया नियपबलसेणामज्झे उवविट्ठो सो सिकंदरो मंतिसेणा–वइपमुहसुहडवराणं अग्गओ नियपरक्कमवत्तं कहेइ, नाम्मिय काले तस्स गुरु तत्थ समागंतूण सहासमक्खं तं अवहेलेइ+जं विजइक्करसियाणं पुरिसाणं इत्थी–रुवावलोयणं पि भयंकरं जाओ दंसणमेत्ताओ वीरियं हणेइरे, हलाहलमिव कज्जं कुणंति। वीरपुरिसाण नरिदाणं च नरगदुवारसभा सा सत्थेसु गणिआ, तासिं सुंदेरं पि विसभविसाओ व महाभयजणगं।'' एवं अवहिलित्ता नियावासे गओ।

(ब) तओ सो वरो झायइ– ''अहो अच्छरिअं! अहो अच्छरिअं। जं एवं विहजलणजलिओ वि जीविओ। जइ एसो अमयरसो मह हवइ ता अहमवि तं कन्नं जीवावेमि'' त्ति चिंतिऊण धुत्ततेण कूडवेसं काऊण रयणीए तत्थेव ठिओ। अवसरं लहिऊण तं अमयरसकूबयं गिण्हिऊण हात्थिणाउरे आणओ।

(स) कोई पुरिसो बहुदेसपट्टणवियारी अडविं सत्थेणं समं पविट्ठो। चोरेहिं य सत्थो अब्भाहओ। सो पुरिसो सत्थपरिभट्ठो मूढादिसो परिब्भमंतो वउपायवो। तस्स पारोहो कूवमणु पविट्ठो।।

प्र. 2. निम्नलिखित गाथाओं की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (कोई दो) 10

(क) माणुसत्तंमि आयाओ, जो धम्मं सोच्च सद्दहे।
तवस्सी वीरियं लद्धुं, संवुडे निद्धुणे रयं।।

(ख) सुत्तेसु यावी पडिबुद्धजीवी, न वीससे पण्डिए आसुपन्ने।
धोरा मुहुत्ता अबलं सरीरं, भारुण्डपक्खी व चरप्पमत्तो।।

(ग) परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवंति ते।
से सोयबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए।।

प्र. 3. 'नलकहा' पाठ के आधार पर जंगल में राजा नल द्वारा छोड़े जाने पर दमयन्ती की मनोदशा का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। 13

अथवा

'विउसीए पुत्तबहुए कहाणणं' में पुत्रवधु ने किस घटनाक्रम से अपने ससुर को 'धर्म के मार्ग पर अग्रसर किया? अपने शब्दों में प्रकाश डालिए।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

(i) चौथी पुत्रवधू ने किस प्रकार धान्यकणों का संवर्धन किया? जिसके कारण वह रोहणी नाम से प्रसिद्ध हुई।

(ii) सिकन्दर ने गुरु का उपहास क्यों किया?

(iii) पुरोहित ने केशव नामक दामाद को किस उपाय से अपने घर से भगा दिया?

(iv) विद्वान चोरी करते हुए भी दूसरों की बाधा को दूर करते हैं। इस प्रसंग को स्पष्ट कीजिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों का अर्थ लिखिए। 6

(i) निच्चं (ii) एरिस्टोटलो
(iii) मच्चू (iv) हिडंइ
(v) सग्गतुल्लो (vi) दच्चा
(vii) अन्नहा

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का हिन्दी अर्थ लिखते हुए उनका हिन्दी वाक्यों में प्रयोग करें। 10

(i) वीरियं (ii) जक्खा
(iii) भारुण्डपक्खी (iv) दोग्गइं
(v) लाहो (vi) उक्कोसं
(vii) सोच्चा

प्र. 5. 'जहा लाहो तहा लोहो' इस पंक्ति के आधार पर कापिल द्वारा दिया गया बोध को अपने शब्दों में लिखें। 10

अथवा

'दुमपत्तयं' अध्यवन का सार अपने शब्दों में लिखिए।

♦♦♦

प्र. 3. सकारण विभक्ति निर्देश कीजिए – (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) ग्रामात् आयाति।	(ii) मातुः स्मरति।
(iii) सर्पिषे जानीते।	(iv) वनस्य छूरे अन्तिके वा।
(v) बलिं याचते वसुधाम्	(vi) माणवकं धर्मं भाषते।

प्र. 4. निम्नलिखित सामासिक शब्दों की रूप सिद्धि कीजिए – (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) वागार्थाविव	(ii) सचक्रम्
(iii) उपशरदम्	(iv) अनश्वः
(v) हरिहरौ	(vi) व्यूढोरस्कः

प्र. 5. निम्नलिखित तद्धित पदों की रूप सिद्धि कीजिए– (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) आदित्यः	(ii) औपगवः
(iii) गार्ग्यायणः	(iv) उडुलोमाः
(v) नाकुल	(vi) शुक्रियम्

प्र. 6. संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए – 10 x 1 = 10

(i) यहां एक बालक है।	(ii) दो भौंरे दो प्रकार से घूम रहे हैं।
(iii) वह कृष्ण का अभिनय करता है।	(iv) मूर्ख विद्वान् का तिरस्कार करता है।
(v) मैं गुरु को नमस्कार करता हूं।	(vi) रामदत्त खाना खाता है।
(vii) केतु चन्द्रमा को ग्रसता है।	(viii) आजकल धन ही धर्म और सत्य है।
(ix) वह उसका मित्र है।	(x) अग्नि उष्ण होता है और जल शीतल।

प्र. 7. संस्कृत में निबन्ध लिखें – 5

भ्रष्टाचारः– समस्या समाधानं च

अथवा

आचारः परमो धर्मः

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10 x 1 = 10

(i) कारक की परिभाषा लिखिए।
(ii) अव्ययं कारक .... सूत्र की पूर्ति कीजिए।
(iii) ''द्विस्वरादनद्याः'' सूत्र द्वारा कौन–सा प्रत्यय होता है?
(iv) ''वीप्सा'' क्या है?
(v) 'इदितः' सूत्र का कार्य लिखिए।
(vi) 'सन्' प्रत्यय किस अर्थ में होता है?
(vii) ''संप्रसारणम् संज्ञा'' कौन–सा सूत्र करता है?
(viii) 'ज्येष्ठः' में कौन–सा प्रत्यय है?
(ix) ''भावे त्वतलौ'' कौन–से अर्थ में त्व और तल् प्रत्यय होते हैं?
(x) 'तादर्थ्ये' सूत्र द्वारा कौन–सी विभक्ति होती है?

प्र. 2. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या करें। (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) अधेः शीङ्स्थासामाधारः	(ii) गतिबोधाहार शब्दार्थाऽकर्मणाम्
(iii) पुंवत् कर्मधारये	(iv) सहस्य सो वा बदुव्रीहौ
(v) राष्ट्रादियः	(vi) वद्याादेरेयण्
(vii) उपधाया लघोः	

प्र. 3. सकारण विभक्ति निर्देश कीजिए – (कोई पांच) 5 x 1 = 5

(i) जिनः	(ii) कटं करोति।
(iii) वनम् उपवसति।	(iv) मासमधीतो नायातः।

(v) जिनेन्द्राय नमः। (vi) चोरेभ्यो बिभेति।
(vii) गुरुणां वचनं पश्यम्।

प्र. 4. निम्नलिखित सामासिक पदों की सिद्धि कीजिए – (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) अधिकुमारि (ii) उपजरसम् (iii) मासोनम्
(iv) नगः (v) राजपुरूषः (vi) सिद्धसेनकृतिः
(vii) निष्कौशाम्बिः

प्र. 5. निम्नलिखित तद्धित रूपों की सिद्धि कीजिए– (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) बैदः (ii) प्रौष्ठः (iii) काणेयः (iv) कुलीनः
(v) काम्बलः (vi) ग्राम्यः (vi) मध्यमः

प्र.6. निम्नलिखित आख्यात रूपों की सिद्धि कीजिए– (कोई पांच) 5 x 2 = 10

(i) अम्रुचत् (ii) कोचति (iii) ऐजीत् (iv) जुगोप
(v) स्तनति (vi) ईर्ष्याञ्चिकार (vi) अद्राक्षुः

प्र. 7. संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए – 10 x 1 = 10

(i) उस बालक ने एक बार पाठ पढ़ा।
(ii) गौरी की वाणी शिव को अच्छी लग रही है।
(iii) लिखते हुए बालक को देखो।
(iv) दुर्जन सज्जन की निन्दा करता है।
(v) कवि राजा के गुणों का वर्णन करता है।
(vi) देवदत्त ने पुस्तक पढ़ी।
(vii) पिता पुत्र का पालन करता है।
(viii) द्विजन्मा आत्मा की विवेचना करता है।
(ix) मैं पर्वत पर चढ़ा।
(x) सूर्य उदय होता है।

प्र. 8. संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखें – 10 x 1 = 10

पर्यावरणसंरक्षणम्

अथवा

सन्तोष एव पुरुषस्य परं निधानम्।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना (लघु सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10 x 1 = 10

(i) प्रातिपदिकार्थ .... सूत्र की पूर्ति करें।
(ii) 'साधकतमं करणम्' सूत्र की वृत्ति लिखिए।
(iii) आधार के प्रकार तथा उनके नाम लिखिए।
(iv) समास की परिभाषा लिखिए।
(v) वृत्ति की परिभाषा, प्रकार और नाम लिखिए।
(vi) उपसर्जन संज्ञा कौन–सा सूत्र करता है? लिखिए।
(vii) 'किति च' सूत्र कब क्या करता है? लिखिए।
(viii) ''कन्यायाः कनीन च'' कौन–सा प्रत्यय होता है?
(ix) गोत्र संज्ञा विधायक सूत्र लिखिए।
(x) ''नक्षत्रेण युक्तः कालः'' सूत्र द्वारा कौन–सा प्रत्यय होता है?

प्र. 2. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या करें। (कोई पांच) 5 x 3 = 15

(i) साऽस्य देवता (ii) अत इञ्
(iii) राजश्वशुराद्यत् (iv) नदीभिश्च
(v) कुगतिप्रादयः (vi) कर्तृकरणयोस्तृतीया
(vii) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र – काव्य नाटक, कोश, छंद एवं अलंकार

समय : 3.00 घण्टे — पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

8 x 2 = 16

(i) शान्तिमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य।
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।।

(ii) शमप्रधानेषु तपोधनेषु,
गूढ़ं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता–
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।

(iii) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कष्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृवामिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणंः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।।

प्र. 2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का सार अपने शब्दों में लिखते हुए उसका वैशिष्ट्य लिखिए। 8

अथवा

राजा दुष्यन्त का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र. 3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

लक्ष्मीस्तं स्वयमभ्युपैति रमसा कीर्तिस्तमालिङ्गति,
प्रीतिस्तं भजते मतिः प्रयतते तं लब्धुमुत्कण्ठया।
स्वःश्रीस्तं परिरब्धुमिच्छति मुहुर्तक्तिस्तमालोकते,
यः संघं गुणराशिकेलिसदनं श्रेयोरुचिः सेवते।।

अथवा

हरति कुलकलङ्कं लुम्पते पापपङ्कं,
सुकृतमुपचिनोति श्लाध्यतामातनोति।
नमंयति सुखर्गं हन्ति दुर्गोपसर्गं,
रचयति शुचिशीलं स्वर्गमोक्षै सलीलम्।।

प्र. 4. सिन्दुर प्रकार के शील प्रकरण का वैशिष्ट्य अपने शब्दों में लिखिए। 4

प्र. 5. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4

स तानि हस्ते समादाय राज्ञः पार्श्वे प्रगत्य तदेव वाक्यं समुच्चारितवान्– 'फलति कपालो न भूपालः' सर्वां घटनां च राज्ञे निवेदितवान् अन्ततः पृथ्वीपालेनाऽपि पण्डितस्य सिद्धान्तः स्वीकृतो यन्मनुष्यस्य स्वकीयं भाग्यमेव फलति, न तु अन्यः कश्चित्।

प्र. 6. 'समता' नामक कहानी को अपने शब्दों में लिखते हुए उसकी शिक्षाओं को समझाइये। 6

प्र. 7. निम्नलिखित किन्हीं दो श्लोकों की पूर्ति करें। 2 x 2 = 4

(i) विमलं विशदं .... निःशोध्यमनंवस्करम्।

(ii) तुल्यः समानः ....।

(iii) त्वरितं सत्वरं तूर्णं शीघ्र .... सम्पातपारवम्।

प्र. 8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के पर्यायवाची लिखिए – 1½ x 2 = 3

नित्य, सुन्दर, उज्जवल

प्र. 9. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों के अर्थ लिखिए। 3

तुङ्गं, सघन, पिहितं, मुषितं, वर्तुलं, उपमा, निबिड

प्र. 10. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं दो सूक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 3 x 2 = 6

(i) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।
(ii) मत्परायणमहो कामी स्वतां पश्यति।।
(iii) फलति कपालो न भूपालः।

प्र. 11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो छंदों का सोदाहरण लक्षण बताइये। 2½ x 2 = 5

(i) मालिनि (ii) आर्या (iii) उपेन्द्रवज्रा (iv) शार्दुलविक्रिडितय्

प्र. 12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों का सोदाहरण लक्षण बताइये। 2½ x 2 = 5

(i) उपमा (ii) उत्प्रेक्षा (iii) अनुप्रास

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र – भारतीय राजनीतिक विचारक

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate seven elements (saptanga) theory of Kautilya.

अथवा /OR

भारतीय राजनीतिक दर्शन को मनु के योगदान का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
Critically examine the contribution of Manu to the Indian political philosophy.

प्र. 2. राजा राम मोहन राय 'आधुनिक भारत के पिता' थे। व्याख्या कीजिए।
Raja Ram Mohan Roy was the father of modern India Discuss it

अथवा /OR

स्वामी दयानन्द सरस्वती के प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक विचारों की विवेचना कीजिए।
Explain main political and social ideas of Swami Dayanand Saraswati.

प्र. 3. 'गोपालकृष्ण गोखले एक महान उदारवदी नेता थे' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
Gopal Krishna Gokhale was a great liberal leader, Elucidate this statement.

अथवा /OR

बाल गंगाधार तिलक के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिए।
Discuss the political ideas of Bal Gangadhar Tilak.

प्र. 4. नेहरू की लोकतांत्रिक समाजवाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
Elaborate Nehru's concept of democratic socialism.

अथवा /OR

गांधी जी की सत्याग्रह की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिए।
Examine Gandhi's concept of "Satyagraha".

प्र. 5. एम.एन.रॉय की नव मानववाद अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
Explain M.N. Roy's theory of New humanism.

अथवा /OR

आचार्य तुलसी के धार्मिक विचारों की विवेचना कीजिए।
Discuss the religious thoughts of Acharya Tulsi.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र – आधुनिक संविधान

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्तियां, कार्यों और स्थिति का वर्णन कीजिये।

Describe the powers, Functions and Position of British Prime Minister.

अथवा /OR

ब्रिटेन की कॉमन सभा में स्पीकर के चुनाव, शक्तियों एवं स्थिति को समझाइये।

Explain the election, Powers and Position of the Speaker of the House of Commons of Britian.

प्र. 2. संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the distinctive Features of the constitution of the U.S.A.

अथवा /OR

संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के संघात्मक लक्षणों का वर्णन कीजिए।

Critically examine the Federal features of the constitution of the U.S.A.

प्र. 3. स्विट्जरलैण्ड की संघीय सभा की रचना और शक्तियों का वर्णन कीजिए।

Describe the composition and powers of the Federal Assembly of Switzerland.

अथवा /OR

स्विट्जरलैण्ड के संविधान की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

Describe the features of Switzerland's constitution.

प्र. 4. जापान के प्रधानमंत्री की शक्तियां एवं स्थिति की समीक्षा कीजिए।

Examine the powers and position of the Japanese Prime Minister.

अथवा /OR

जापान के संविधान की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

Examine the salient Features of The constitution of Japan.

प्र. 5. जनवादी चीन के राष्ट्राध्यक्ष के कार्यों व शक्तियों की व्याख्या कीजिए।

Discuss the Functions and powers of the President of the people's Republic of China.

अथवा /OR

चीनी न्यायपालिका के संगठन का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the organisation of the Chinese Judicial system.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र – जीवन विज्ञान मूल्यपरक शिक्षा

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मूल्यों के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट कीजिये।

Clarify the main types of values.

अथवा /OR

मूल्यों के विकास में परिवार की भूमिका को स्पष्ट करें।

Clarify the Role of Family in developing values.

प्र. 2. शिक्षा की प्रमुख समस्याएं बतायें।

Discuss the main problems of Education.

अथवा /OR

जीवन विज्ञान शिक्षा का आधार और प्रक्रिया क्या है?

What is the basis and process of SOL Edcuation.

प्र. 3. सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास की व्याख्या करें।

Explain the Integrated Personality Development.

अथवा /OR

समाजीकरण में जीवन विज्ञान की भूमिका को स्पष्ट करें।

Clarify the Role of Sol in Socialization.

प्र. 4. अनुप्रेक्षा का वैज्ञानिक व आध्यात्मिक दृष्टिकोण लिखिए।

Write the scientific and spiritual perspective of contemplation.

अथवा /OR

मानवीय एकता एवं सम्प्रदाय निरपेक्षता के महत्व को बताएं।

Discuss the Importance of Human Unity and Secularism.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any two of the following -

(i) अभय / Fearlessness

(ii) मृदुता / Modesty

(iii) आत्मानुशासन / Selfdiscipline

(iv) अनुप्रेक्षा / Patience

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र – जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के अन्तर्सम्बन्धों को समझाइये।
Explain the Interaction between environment and Health.

अथवा /OR

स्वास्थ्य शिक्षा का अर्थ, परिभाषाएं एवं सिद्धान्त बताइये।
Explain the meaning, definitions and principles of health education.

प्र. 2. तन्त्रिका तंत्र एवं अन्तस्रावी ग्रन्थि तंत्र का वर्णन करें।
Explain the nervous system and endocrine glands system in detail.

अथवा /OR

आधि, व्याधि एवं उपाधि क्या है? इनसे मुक्ति के उपाय बताइये।
What do you mean by illness, malady and disorder? Suggest measures of cure.

प्र. 3. अस्थि तंत्र को विस्तार से समझाइये।
Explain skeletal system in detail.

अथवा /OR

पेशी तंत्र की समस्यायें तथा जीवन विज्ञान के द्वारा उनके प्रबन्धन की व्याख्या करें।
Describe the problems of muscular system and their management through Jeevan Vigyan.

प्र. 4. श्वसन तन्त्र को सचित्र समझाइये।
Explain the respiratory system through diagram.

अथवा /OR

मधुमेह एवं दमा रोग के कारण एवं प्रेक्षा चिकित्सा लिखिए।
Give the causes of Diabetes and asthma and also write about Preksha therapy.

प्र. 5. कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन एवं खनिज लवण की आवश्यकता पर एक निबन्ध लिखिये।
Write an eassy on the importance of carbohydrates, Protein and minerals.

अथवा /OR

उपवास पर एक निबन्ध लिखिये।
Write an eassy on fasting.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : इतिहास

प्रथम पत्र – मध्यकालीन भारत का इतिहास (1206 से 1740 ई.)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. इल्तुमिश की उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the achievements of Iltutmish.

अथवा /OR

अल्लाउद्दीन खिलजी की बाजार नियंत्रण नीति की विवेचना कीजिए।
Give an account of the market control policy of Alauddin Khilji.

प्र. 2. मुहम्मद बिन तुगलक की योजनाओं का वर्णन कीजिए एवं उनकी असफलता के कारणों का उल्लेख कीजिए।
Explain the schemes of Muhammad Bin Tugalak and account for their failures.

अथवा /OR

फीरोज तुगलक के कृषि सुधार एवं सार्वजनिक कार्यों का विवरण दीजिए।
Give an account of agriculture reforms and public works of Firoze Tuglak.

प्र. 3. विजयनगर एवं बहमनी राज्य के पतन के कारणों की विवेचना कीजिए।
Discuss the causes of the downfall of Vijaynagar and Bahmani Kingdoms.

अथवा /OR

''वह नींव जिस पर अकबर ने अपना राज्य खड़ा किया, शेरशाह द्वारा रखी गई थी न कि बाबर द्वारा।'' विवेचना कीजिए।
"It was Shershah and not Babar who laid the foundation on which Akbar raised his super structure". Comment.

प्र. 4. हूमायूं की प्रारम्भिक कठिनाइयों का वर्णन कीजिए।
Discuss the early difficulties of Humayun.

अथवा /OR

''अकबर एक महान साम्राज्यवादी था।'' समीक्षा कीजिए।
"Akbar was a great imperialist" Evaluate.

प्र. 5. मुगल दरबार में नूरजहां की भूमिका की विवेचना कीजिए।
Discuss the role of Nurjahan in the Mughal court.

अथवा /OR

मुगलों की मनसबदारी व्यवस्था पर लेख लिखिए।
Write an essay on Mughal Mansabdari system.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष परीक्षा – 2015

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : इतिहास

द्वितीय पत्र – राजस्थान के इतिहास का सर्वेक्षण

(आरम्भिक काल से 1958 ई. तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. कालीबंगा–सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Describe the main features of Kalibanga-Civilization.

अथवा /OR

बैराठ–संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Describe the main features of Bairath-Culture.

प्र. 2. 'राजस्थान में साम्यवाद' विषय पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the topic 'Feudalism in Rajasthan.

अथवा /OR

आमेर दुर्ग के विशेष संदर्भ में राजस्थान के दुर्ग–स्थापत्य का वर्णन कीजिए।
Describe the Fort Architecture in Rajasthan with special reference to the fort of Amer.

प्र. 3. मुगलों के मारवाड़ के जसवन्तसिंह के साथ सम्बन्धों का विवेचन कीजिए।
Discuss the relations of Jaswant Singh of Marwar with the Mughals.

अथवा /OR

मीराबाई की प्रमुख शिक्षाओं का विवरण दीजिए।
Describe the main teachings of Meera Baai.

प्र. 4. 1818 ई. की संधियों के परिणाम लिखिए।
Write the results of the Treaties of 1818 AD.

अथवा /OR

राजस्थान में राजनैतिक जागरण के कारण लिखिए।
Write the causes of Political Awakening in Rajasthan.

प्र. 5. गोविन्द गुरु की उपलब्धियां बताइये।
Give an account of the achievements of Govind Guru.

अथवा /OR

राजस्थान के राज्य के निर्माण के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।
Describe the stages of the formation of Rajasthan state.

♦♦♦